B.A III (Hons.) Paper - VII Gr. A (Industrial Psychology)

Topic — Physical Environment at Work. Date - 24.01.2022
25.01.2022

Teacher's Name - Dr. Vivek Nand Sharma

Effect of ~~[illegible]~~ Temperature and Ventilation on Industrial production and Worker's efficiency

औद्योगिक संगठनों में काम करनेवाले कर्मचारियों की कार्यक्षमता एवं उत्पादन पर उस संगठन के भौतिक वातावरण का क्या प्रभाव पड़ता है क्योंकि शारीरिक दशाएं तथा उनके metabolic process अथवा भौतिक वातावरण के बीच एक्सा आमिलांगन स्थापित करने में लगा रहता है। अतः वायुमंडलीय अवस्थाओं का भौतिक वातावरण की अनुकूलता का भी पड़ता है। वायु-प्रवाह की मात्रा, वायुसंचार, आर्द्रता संबंधी अवस्थाओं के अनुसार तुलनात्मक रूप से नापमान, वायुसंचार, आर्द्रता इत्यादि अवस्थाओं का प्रभाव कर्मचारियों की कार्यकुशलता एवं औद्योगिक उत्पादन पर पड़ता है। वायुमंडलीय अवस्थाओं के अनुसार-अनुकूल वायुसंचार तथा आर्द्रता की उचित मात्रा का होना इस दृष्टि से महत्व रखता है:—

(1) Effect of Temperature

औद्योगिक कारखानों में वायुमंडलीय तापमान का प्रभाव कर्मचारियों की कार्य क्षमता, शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य एवं उत्पादन पर पड़ता है। तापमान के मुख्य तीन स्रोत हैं - शारीर, वस्तु एवं वायुमंडल। लेकिन कार्यकुशलता पर वायुमंडल-पर्यावरण के तापमान का ही अधिक प्रभाव पड़ता है। शारीर के अन्दर होनेवाला होने वाले metabolic process आदि के शारीर में एक प्रकार की गर्मी या ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस गर्मी को निकालने के शारीर वातावरण के साथ कोई सामंजस्य स्थापित करता है। शारीर से गर्मी निकालने के लिए कई प्रक्रियाएं जैसे - संवहन, वाष्पीकरण, विकिरण तथा संचालन के द्वारा होता है, यदि वायुमंडलीय-तापमान शारीर के तापमान से अधिक है तो शारीर में गर्मी की मात्रा बढ़ जाती है। इसी तरह अधिक मात्रा में गर्मी एवं अधिक मात्रा में वह शरीर में एकत्रित होती है, जिसका प्रभाव कर्मचारियों के $\frac{2}{3}$ शारीरिक एवं मानसिक कार्य के समायोजन पर पड़ता है।

औद्योगिक कार्यकुशलता पर तापमान के तीन तरह का प्रभाव देखा गया है क्योंकि तापमान के साथ-साथ वायुसंचार

है। [illegible] किया गया था। [illegible] के अनुसार [illegible] के [illegible] के [illegible] के

(4)

Mukherjee & Sharma (1952) के विस्तृत अध्ययन के अनुसार
ये जीव अधिकांशतः उन्हीं क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ
वार्षिक वर्षा 40" से 60" के बीच होती है। इससे कम
वर्षा वाले क्षेत्रों में ये दुर्लभ हैं और इससे अधिक
वर्षा वाले क्षेत्रों में इनका स्थान अन्य प्रजातियाँ ले लेती हैं।
इस संबंध में Mukherjee (1952) का कथन उल्लेखनीय है —
"Rainfall is the single most important factor
controlling the distribution of this species."

इसी प्रकार Ghosh & Dutta (1954) ने पश्चिम बंगाल के
विभिन्न जिलों में किए गए सर्वेक्षण के आधार पर बताया
कि जहाँ वार्षिक वर्षा 60" से 70" के बीच होती है वहाँ
इनकी सघनता सबसे अधिक पाई गई। 60" से कम वर्षा
वाले क्षेत्रों में ये केवल नदी-तटों के आस-पास ही
सीमित रहते हैं।

---

② Effect of Vent. Latrines on Malarious Adult Anopheles

---

(5)

Write a short note on Hamiltonian Path.

Hamiltonian Path - ग्राफ़ सिद्धान्त में, एक हैमिल्टोनियन पथ ग्राफ़ में एक ऐसा पथ है जो हर शीर्ष से ठीक एक बार गुजरता है। एक हैमिल्टोनियन चक्र एक ऐसा हैमिल्टोनियन पथ है जो एक चक्र है (यानी पहला और आखिरी शीर्ष एक ही हैं)। हैमिल्टोनियन पथ और चक्र का नाम विलियम रोवन हैमिल्टन के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1857 में आइकोसियन खेल का वर्णन किया, जिसमें एक डोडेकाहेड्रॉन के कोनों पर एक हैमिल्टोनियन चक्र ढूंढना शामिल था। एक ग्राफ़ जिसमें एक हैमिल्टोनियन चक्र होता है, उसे हैमिल्टोनियन ग्राफ़ कहा जाता है। (1990) एक सरल ग्राफ़ जिसमें कम से कम तीन शीर्ष हैं, हैमिल्टोनियन होने के लिए पर्याप्त है यदि प्रत्येक शीर्ष की डिग्री ग्राफ़ में शीर्षों की कुल संख्या का कम से कम आधा है। (डिराक का प्रमेय) एक जुड़ा हुआ टूर्नामेंट हमेशा एक हैमिल्टोनियन पथ रखता है। एक जुड़ा हुआ टूर्नामेंट जिसमें प्रत्येक शीर्ष की डिग्री कम से कम $0.5(n-1)$ है, हैमिल्टोनियन होता है। एक जुड़ा हुआ टूर्नामेंट जिसमें ठीक एक हैमिल्टोनियन पथ होता है, एक हैमिल्टोनियन चक्र होता है। एक ग्राफ़ में हैमिल्टोनियन चक्रों की संख्या की गणना करने वाली समस्या #P-पूर्ण है। एक ग्राफ़ में हैमिल्टोनियन पथों की संख्या की गणना करने वाली समस्या भी #P-पूर्ण है। एक ग्राफ़ में हैमिल्टोनियन पथों की संख्या की गणना करने वाली समस्या भी #P-पूर्ण है। एक ग्राफ़ में हैमिल्टोनियन पथों की संख्या की गणना करने वाली समस्या भी #P-पूर्ण है।